भारत सरकार
विदेश मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या –3179
दिनांक 09.08.2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

भारतीय नागरिकता छोड़ना

3179. **श्री विजयकुमार उर्फ विजय वसंतः**
श्री बी. मणिक्कम टैगोरः

क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत तीन वर्षों में अपनी भारतीय नागरिकता छोड़ने वाले भारतीय नागरिकों की राज्य–वार/संघ राज्यक्षेत्र–वार और वर्ष–वार संख्या कितनी है;

(ख) भारतीय नागरिकों द्वारा अपनी नागरिकता छोड़ने के लिए कौन–कौन से प्राथमिक कारण बताए गए हैं;

(ग) सरकार द्वारा भारतीय नागरिकता को बनाए रखने के उद्देश्य से नीति में परिवर्तनों, जागरूकता कार्यक्रमों अथवा अन्य पहलों सहित नागरिकता छोड़ने की बढ़ती प्रवृत्ति से निपटने के लिए क्या कार्रवाई अथवा उपाय किए गए हैं/किए जाने का विचार है; और

(घ) क्या भारतीय नागरिकता छोड़ने से संबधित मौजूदा नीतियों और प्रक्रियाओं की समीक्षा करने अथवा उनमें संशोधन करने की कोई योजना है, यदि हां, तो प्रस्तावित परिवर्तनों का ब्यौरा क्या है और उनके कार्यान्वयन की संभावित समय–सीमा क्या है?

उत्तर

विदेश राज्य मंत्री
(श्री कीर्ति वर्धन सिंह)

(क) मंत्रालय के पास उपलब्ध जानकारी के अनुसार, अपनी भारतीय नागरिकता त्यागने वाले भारतीयों की संख्या 1,63,370 (2021 में); 2,25,620 (2022 में) और 2,16,219 (2023 में) थी। संदर्भ के उद्देश्य के लिए, आंकड़े निम्नानुसार थेः 1,22,819 (2011 में); 1,20,923 (2012 में); 1,31,405 (2013 में); 1,29,328 (2014 में); 1,31,489 (2015 में); 1,41,603 (2016 में); 1,33,049 (2017 में); 1,34,561 (2018 में); 1,44,017 (2019 में); 85,256 (2020 में)। विदेशी नागरिकता के लिए भारतीय नागरिकता त्यागने वाले लोगों का राज्यवार वितरण उपलब्ध नहीं है।

(ख) से (घ) नागरिकता त्यागने/ग्रहण करने के कारण व्यक्तिगत होते हैं। सरकार, ज्ञान–आधारित अर्थव्यवस्था के युग में वैश्विक कार्यस्थल के महत्व को समझती है। सरकार, प्रवासी भारतीयों के साथ अपने संबंधों में एक

विकासात्मक परिवर्तन भी लेकर आयी है। सफल, समृद्ध और प्रभावशाली प्रवासी भारतीय लोग भारत के लिए एक परिसंपत्ति हैं। भारत अपने प्रवासी संपर्कों का प्रयोग करके और ऐसे समृद्ध प्रवासी समुदाय से प्राप्त होने वाली सॉफ्ट पावर के उत्पादक उपयोग से बहुत कुछ हासिल कर सकता है। सरकार के प्रयासों का उद्देश्य ज्ञान और विशेषज्ञता को साझा करने सहित प्रवासियों की क्षमता का पूरा दोहन करना है।

*****